Roll No.....................

Total No. of Sections : 03
Total No. of Printed Pages : 03

Code No. : 04/409(A)

Fourth Semester Examination, May-2018

एम.ए.हिन्दी

प्रश्नपत्र–चतुर्थ

भारतीय साहित्य (भाग–2)

पश्चिमोत्तर एवं दक्षिणात्य भाषाओं का साहित्य

Time : 3 Hrs. **Max.Marks : 80**

टीप : [k.M ^v* esa nl vfr y?kqŸkjh ç'u gSa] ftUgsa gy djuk vfuok;Z gSA [k.M ^c* esa pkj y?kqŸkjh rFkk vkrfjd fodYi ;qä ç'u gSA [k.M ^l* esa pkj nh?kZmŸkjh ç'u gSa] ftuesa ls çR;sd esa vkrfjd fodYi gSA [k.M ^v* dk lcls igys gy djsA

खण्ड 'अ'

fuEukfdr vfry?kqŸkjh ç'uksa ds mŸkj ,d ;k nks okD;ksa esa nsa% **(2× 10=20)**

प्रश्न 1. 'हयवदन' के अलावा गिरीश कर्नाड के अन्य दो नाटकों के नाम लिखिए।

प्रश्न 2. देवदत्त गुड़ियों को फेंकने के लिए उठाता है तो गुड़िया–1 और गुड़िया–2 क्या कहते हैं?

प्रश्न 3. 'कोच्चि के दरख्त' किस भाषा की कृति है? उसके अनुवादक का नाम लिखिए।

प्रश्न 4. मलयालम के दो प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।

प्रश्न 5. 'हयवदन' की माँ कौन थी? उसने किससे विवाह किया?

प्रश्न 6. महानुभाव सम्प्रदाय के संस्थापक कौन हैं? उनका मूल नाम बताइए।

P.T.O.

प्रश्न 7. मराठी में उपन्यास को क्या कहा जाता है? मराठी के पहले मौलिक उपन्यास का नाम लिखिए।

प्रश्न 8. 'बखर' की व्युत्पति किस शब्द से हुई है? यह मराठी साहित्य के किस काल खण्ड में लिखा जाता था?

प्रश्न 9. मराठी में नाटक को क्या कहा जाता था? उसके प्राचीतम रूप कहाँ मिलते हैं?

प्रश्न 10. विजय तेन्दुलकर के दो प्रसिद्ध नाटकों के नाम लिखिए।

खण्ड 'ब'

fuEukfdr y?k mŸkjh; ç'uk d mŸkj 200-250 'kCn lhek e n % **(5 4=20)**

प्रश्न 1. महानुभाव सम्प्रदाय की विचारधारा को स्पष्ट कीजिए।

vFkok

मराठी साहित्य में जीवनी लेखन पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 2. वारकरि सम्प्रदाय पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

vFkok

मराठी नाट्य साहित्य पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 3. 'हयवदन' नाटक में सूत्रधार की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

vFkok

'हयवदन' नाटक के संवाद कौशल पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4. 'कोच्चि के दरख्त' कविता संग्रह की 'अयोध्या' कविता की समीक्षा कीजिए।

vFkok

'कोच्चि के दरख्त' कविता में उपस्थित मानवीय जीवन—व्यवहार को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड 'स'

fuEukfdr nh?k mŸkjh; ç'uk d mŸkj 400-450 'kCn lhek e n % **(10 4=40)**

प्रश्न 1. हिन्दी और मराठी संत साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।

vFkok

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी एवं मराठी उपन्यासों का तुलनात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न 2. पेशवा कालीन मराठी साहित्य पर प्रकाश डालिए ।

vFkok

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के मराठी साहित्य पर सारगर्भित निबंध लिखिए।

प्रश्न 3. 'कोच्चि के दरख्त' काव्य संग्रह की कविताओं को दृष्टिगत रखते हुए के.जी. शंकर पिल्लै के काव्य सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

vFkok

'कोच्चि के दरख्त' नामक काव्य संग्रह की कविताओं के शब्द किस प्रकार की रूप रचना में कवि के आत्मसाक्षात्कार को प्रकट करते हैं? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4. 'हयवदन' नाटक सम्पूर्णता की अंतहीन तलाश की असह्य यातनापूर्ण परिणति तथा बुद्धि और देह के सनातन महत्ता-संघर्ष के परिणाम का प्रश्न है। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

vFkok

'नाटय शिल्प' की दृष्टि से 'हयवदन' सम्पूर्ण आधुनिक भारतीय रंगकर्म की एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इस कथन के आलोक में 'हयवदन' नाटक के शिल्प पक्ष पर प्रकाश डालिए।

---x---